

अरे रे तेरे खेल निराले बाबोसा चुरू वाले लिरिक्स



अरे रे तेरे खेल निराले,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू,
सच्चा है तू सच्चा तेरा दरबार,
दिन दुखियों का तू ही दातार,
अजब अनोखे है तेरे चमत्कार,
हो रही जग में तेरी जय जयकार,
अरे रे तेरे खेल निराले,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू। **bd।**

तर्ज - अरे रे मेरी जान है।

रोज नये चमत्कार करता है तू,
भक्तों के संकट को हरता है तू,
सबकी मुरादे पूरी करता है तू,
बिन मांगे झोलियाँ भरता है तू,
अरे रे तेरे खेल निराले,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू। **bd।**

पल में पलट जाये किस्मत की रेख,
एक बार चुरू धाम आके देख,
एक नही लाखों की बनी है तकदीर,
संकट मोचन बन हरे सबकी पीर,
अरे रे तेरे खेल निराले,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू। **bd।**

बाईसा को मिला श्री बाबोसा का प्यार,
बाबोसा का होता बाईसा में दीदार,
कृपा बाबोसा की बाईसा का उपकार,
'दिलबर' मिला है खुशियों का संसार,
कपिल को दर बुलाले,
ओ दिलबर दिल में बसाले,
मेरे जीवन का आधार तू। **bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



अरे रे तेरे खेल निराले,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू,
सच्चा है तू सच्चा तेरा दरबार,
दिन दुखियों का तू ही दातार,
अजब अनोखे है तेरे चमत्कार,
हो रही जग में तेरी जय जयकार,
अरे रे तेरे खेल निरालें,
बाबोसा चुरू वाले,
कलयुग में बाबा मशहूर तू। bdi

गायक – श्री कपिल पुरोहित इंदौर।
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
9907023365